

#107

सप्तमि संवत्

२० दि

विद्यमान

२०४२

प्राप्तः

२१००

इसवी

२४-८५ - वैशाखी संवत् २४

हेजरी

२४०३ आश्विन शुद्ध २४ दि

आयनात्मा

०, २४, २३, १०

12

13. H

श्री भाद्रसभा

वक्षक इष्ट
श्रीवः

वक्षक भूरी
मनिः

भद्रस्त्रिमं वडा

५.५०

मकः ०७०१

गलिउक उ

ह्रीं उिक शनध

वडेगी करल

श्रीनगर क श्री

विरुभीमं वडा

७.५३

श्रीमं वडा
पौत्रो ड पुत्रम

श्रीभद्रुं ००५

भय एक भूकभक

श्रीकलभदं भं हल

श्रीनगर क श्री



कर्माधिकार

कुरक्षित

[illegible]

[illegible]

अनुसिंहवा ५.१० विरूनी ३.८० मंदमुरि ३.१० भीप्रवृत्तमर्छे २४ मंशरी के उठभलमुकिने उवमुनशीउम
३१ वि के (३ दिरुनी ०८.५

[illegible]

[illegible]

१० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १७ १८ १९ २० २१ २२ २३ २४ २५ २६ २७ २८ २९ ३० ३१ ३२ ३३ ३४ ३५ ३६ ३७ ३८ ३९ ४० ४१ ४२ ४३ ४४ ४५ ४६ ४७ ४८ ४९ ५० ५१ ५२ ५३ ५४ ५५ ५६ ५७ ५८ ५९ ६० ६१ ६२ ६३ ६४ ६५ ६६ ६७ ६८ ६९ ७० ७१ ७२ ७३ ७४ ७५ ७६ ७७ ७८ ७९ ८० ८१ ८२ ८३ ८४ ८५ ८६ ८७ ८८ ८९ ९० ९१ ९२ ९३ ९४ ९५ ९६ ९७ ९८ ९९ १००

[illegible]

७.	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०	४१	४२	४३	४४	४५	४६	४७	४८	४९	५०	५१	५२	५३	५४	५५	५६	५७	५८	५९	६०	६१	६२	६३	६४	६५	६६	६७	६८	६९	७०	७१	७२	७३	७४	७५	७६	७७	७८	७९	८०	८१	८२	८३	८४	८५	८६	८७	८८	८९	९०	९१	९२	९३	९४	९५	९६	९७	९८	९९	१००
----	---	---	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	-----

अंक ५० विज्ञाप १०८९ सुधार सुदि ५ सं ८८ मि प्र ठो सु मंशा मसुग जुं दी म दे, म प्र सु ठो सु म दी ली ल सु
गुं ०९ सं ५ ठां दी म दे

[illegible]

[illegible]

संख्या ५६० ठा. मुक्ति ३. १७५ सिंगे व मंगली कसु जंम के मा उठाने के प्रहारी मंसु
विमर राधके ०७३५

[illegible]

बे शिंदकर मोमे घातः ७ १२० फुल २ पुनेपरे

मंत्र ५.५० विष्णु ४.८९ सुमित्रमुनि ३३। कंभु उं ब्रह्मं भिं हं भं रं गं मं भो रं मिं भुं उं लं नं मुं भुं वृं मृं शो वि-

मनि: ४५५ के। ००५५

১	২	৩	৪	৫	৬	৭	৮	৯	১০	১১	১২	১৩	১৪	১৫	১৬	১৭	১৮	১৯	২০	২১	২২	২৩	২৪	২৫	২৬	২৭	২৮	২৯	৩০	৩১	৩২	৩৩	৩৪	৩৫	৩৬	৩৭	৩৮	৩৯	৪০	৪১	৪২	৪৩	৪৪	৪৫	৪৬	৪৭	৪৮	৪৯	৫০	৫১	৫২	৫৩	৫৪	৫৫	৫৬	৫৭	৫৮	৫৯	৬০	৬১	৬২	৬৩	৬৪	৬৫	৬৬	৬৭	৬৮	৬৯	৭০	৭১	৭২	৭৩	৭৪	৭৫	৭৬	৭৭	৭৮	৭৯	৮০	৮১	৮২	৮৩	৮৪	৮৫	৮৬	৮৭	৮৮	৮৯	৯০	৯১	৯২	৯৩	৯৪	৯৫	৯৬	৯৭	৯৮	৯৯	১০০
---	---	---	---	---	---	---	---	---	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	-----

१०५
 १०६
 १०७
 १०८
 १०९
 ११०
 १११
 ११२
 ११३
 ११४
 ११५
 ११६
 ११७
 ११८
 ११९
 १२०
 १२१
 १२२
 १२३
 १२४
 १२५
 १२६
 १२७
 १२८
 १२९
 १३०
 १३१
 १३२
 १३३
 १३४
 १३५
 १३६
 १३७
 १३८
 १३९
 १४०
 १४१
 १४२
 १४३
 १४४
 १४५
 १४६
 १४७
 १४८
 १४९
 १५०
 १५१
 १५२
 १५३
 १५४
 १५५
 १५६
 १५७
 १५८
 १५९
 १६०
 १६१
 १६२
 १६३
 १६४
 १६५
 १६६
 १६७
 १६८
 १६९
 १७०
 १७१
 १७२
 १७३
 १७४
 १७५
 १७६
 १७७
 १७८
 १७९
 १८०
 १८१
 १८२
 १८३
 १८४
 १८५
 १८६
 १८७
 १८८
 १८९
 १९०
 १९१
 १९२
 १९३
 १९४
 १९५
 १९६
 १९७
 १९८
 १९९
 २००

[illegible]

[illegible][illegible]

[illegible]

विद्वन्नीमंत्रः १०८३ भाष्यवर्ति १५।१० मंत्रमुद्यंतं मन्त्रं शास्त्रं तु कं मन्त्रं विद्वन् मन्त्रं निशान्तिं मन्त्रं

[illegible]

25

संवत् ५०८ अश्वि १७९६ चैत्रमासी शुक्ल पक्षे तृतीयांशके प्रथमदिवसे उत्तराषाढा नक्षत्रे
 रात्रि ०५१३ विक्रमी १८८१ । १८१७३। ४॥ मङ्कः ०७०१ ग्रीष्म २५ श्राद्ध केतुः ०८५

१५०	३१७ रु	३१७ म	३१८ प्र	३१९ सं	का के	३२१ श्री	३२२ पत्नी	३२३ सु	३४- म	३४० प्र	३४१ सं	३४२ रु	३४३ प्र
-----	--------	-------	---------	--------	-------	----------	-----------	--------	-------	---------	--------	--------	---------

2.3

संवत् ५०८ सुदि ११/०८ त्रैलोक्यमीश्वर्यं विष्णुसंज्ञकं प्रकप्रहृष्टं उवाच विष्णुः प्रसादात् ॥ त्रैलोक्यमीश्वर्यं विष्णुसंज्ञकं प्रकप्रहृष्टं उवाच विष्णुः प्रसादात् ॥
 १०५११ विष्णुसंज्ञकं प्रकप्रहृष्टं उवाच विष्णुः प्रसादात् ॥ त्रैलोक्यमीश्वर्यं विष्णुसंज्ञकं प्रकप्रहृष्टं उवाच विष्णुः प्रसादात् ॥

[illegible]

[illegible]

५ मृषवग्गनभङ्ग उ० ॥
वेमुदिः - ३५ मृषल वरे
मृषाणि ५० म० ३५ मृषल
मृषावे पंमणी ५० उ०
३५ मृषल मृषा नृमणी ५० म०
० मृषा वे ५० म० ३५ म०
मृषा वे ५० म० ३५ म०

[illegible]

स्त्रीवे इडीय मि ००।७. मे। ० नवं मुहे
 मडिडो मि ०।३क। १ नवं वग स्त्रीवे
 स्त्रीमी मि ७ उक। क। मुदि ०५ नवं
 मुहे इडीय मि ००।३क। ०१ नवं
 वे थंस्त्री मि ७।० उक। १३५ नवं
 वे मु। मि ७।० उक। भन्नवरि
 ११ नवं मुहे इडीय ॥
 भन्नमुदि - ०७ दिवेंश मुहे
 इडीय मि ०।० उक। ॥
 ७ लघमङ्ग भूतिधु म. ७. भाप मि.
 वेसुदि
 १। मुहेल मुहे थयु. मि ०।५७ म ०।० उक
 क लघमभः। १ भो स्त्रीवे मु। मि ०।७
 म ०१।५५ उक कं लघ। १। मुदि -
 १७ भो वे स्त्रीमी मि ७।५५ म ००।१ कलं
 ७. भो स्त्रीवे १७ क। मु। मि ७।५५ म ००।० क
 मि ००।० म ०।१० उक किं लं भमः।
 ७० भो मुहे वृद्ध. मि ००।५५ म ०-१०.
 उक। किं लघमभः। १। लघुमि न मुदि
 १० लघुवे वग लघुमि भो मि ००।७. ५०-११
 उक। कं लघ ॥

मंजुप्रतिष्ठा र. उ. भाषा लि:-
 कवचि ७० मुद्रा शरीरे इति
 गि ०.१५. मे ०१५० उका मंलग्रमः।
 भानवति:- १७ नव मुद्रा द्विती-
 गि ०.१०. मे ०१५५ उका मंलग्रमः।
 ३ रिशं मुद्रा पंखनी गि ०.१५. मे
 ०११०. उका मंलग्रमः॥
 भुच धामि भुभाषा लि मे ०११०
 भान उका मंलग्रमः क मंयोग दे
 लुतः लिपि नदी गाण है।

१ मुषयमुपवीडमुद्रा लि

देवति
 १ लमेप्रल मुद्रा द्वितीया गि १.१०३ मे
 ११७ उका मंलग्रमः। गि १.१५७
 मे १.१५७ उका वंलग्रमः।
 वैमुद्रि ॥
 १ लमेप्रल मुद्रा यधुं गि १.१०३ मे
 ०.१५७ उका मंलग्रमः।
 होमुद्रि:-

१७ नव मुद्रा शरीरे गि ०.१५. मे
 ०.१५. उका मंलग्रमः। १७. नव
 मुद्रा शरीरे गि ०.१५. मे ०.१५.
 उका मंलग्रमः। १७. नव मुद्रा
 शरीरे गि ०.१५. मे ०.१५. उका मंलग्रमः।
 मुषयमुद्रि:-
 १ हो न मुद्रा यधुं गि ०.१५. मे
 ०.१५. उका मंलग्रमः। शीव
 मुषयमुद्रि:-
 १. हो न शरीरे द्वितीया गि-
 १.१५. मे १.१५. उका कलं।
 गि १.१५. मे ०.१५. उका मंलग्रमः।
 भानः। १७. हो न मुद्रा इतीया
 गि १.१५. मे ०.१५. उका मंलग्रमः।
 १७. हो न मुद्रा शरीरे गि १.१५. मे
 ०.१५. उका मंलग्रमः।
 ३. हो न शरीरे द्वितीया गि १.१५. मे
 १.१५. उका कलंलग्रमः।
 गि १.१५. मे ०.१५. उका मंलग्रमः।
 मुषयमुद्रि:-
 १ हो न शरीरे पंखनी गि १.१५. मे
 ०.१५. उका मंलग्रमः।

१. मुद्रि:- ०१ मिडं शरीरे पंखनी
 गि १.१५. मे १.१५. उका कलंलग्रमः।
 ३. मिडं मुद्रा यधुं गि ०.१५. मे ०.१५.
 उका वंलग्रमः। १५. मिडं मुद्रा
 यधुं गि ०.१५. मे ०.१५. उका वं
 १. मिडं शरीरे द्वितीया गि ०.१५. मे
 ०.१५. उका वंलग्रमः।
 मुषयमुद्रि:-
 ०.३ लमेप्रल मुद्रा पंखनी गि ०.१५.
 मे ०.१५. उका कलंलग्रमः। गि ०.१५.
 मे १.१५. उका मंलग्रमः।
 १. लमेप्रल शरीरे शरीरे गि ०.१५. मे
 ०.१५. उका कलंलग्रमः।
 क. मुद्रि:-
 ०.३ नव शरीरे द्वितीया गि १.१५. मे १.१५.
 उका मंलग्रमः। ०.३ नव मुद्रा यधुं
 गि १.१५. मे १.१५. वंलग्रमः। १५.
 नव शरीरे मुद्रा यधुं गि ०.१५. मे ०.१५.
 उका मंलग्रमः। १५. नव शरीरे
 गि १.१५. मे ०.१५. उका कलंलग्रमः।
 भानवति:-

यष्टि पवीत भुङ्गुः ॥
 ३७ नव सुदे विडि नि ०. १५३ मे
 ०११३ उक भंलग्न भमः ।
 ३ रिमं चड् पंमो नि ०. १५३
 मे ०११० उक भंलग्न । नि
 ०११३ मे ०१३ उक भंलग्न
 छ. मुद्रिः -
 ३० भंलग्न सुदे समष्टं नि ०.
 ५७ मे ०१३ उक भंलग्न भमः
 ०१५४ ॥
 ॥ ति यष्टि पवीत भुङ्गुः ॥

त्रुष विवद भुङ्गुः ॥
 वेवदि
 ०१ सुदे ल सुच ह्योभुष्टं इष्टे
 ००१३७ मे ०१३७ उक भंलग्न भमः
 इष्टे ३१३. मे ५. ३. उक भंलग्न
 भमः १०३ सुदे ल शीवे रभे
 नि ००१३. मे ०१५. उक कलं-
 भमः

वैमुद्रिः -
 ३५ सुदे ल सुच ह्योभुष्टं नि
 ००१०. मे ०१३५ उक कलं
 नि ०१३७ मे ३१५. उक भं
 लग्न इष्टे ००१५ मे ०१० उक
 भंलग्न इष्टे ०१०. मे ३१५.
 उक भंलग्न ।
 ३७ सुदे ल सुच नवभुष्टं
 नि ०. १५३ मे ०१३ उक भमः
 इष्टे ०. १५३ मे ३१५. भंलग्न
 भमः । ० भंलग्न सुदे ल सुच
 इष्टे ०. १५. मे ०१३७. उक
 भंलग्न इष्टे ०१३५. मे ३१०.
 उक भंलग्न भमः ।
 सुवदिः -
 ३ भंलग्न सुच ह्योभुष्टं नि ०. १०५
 सु ०१३७. उक कलं शीवे ५६
 ७ भंलग्न शीवे पंमो इष्टे ०१
 ००. मे ०१५. उक भंलग्न ।
 इष्टे ०१५३ मे ३१५ उक भंलग्न
 भमः

०. भंलग्न सुच ह्योभुष्टं नि ०१३३ मे
 ३१५. उक भंलग्न भमः ।
 ०५ भंलग्न सुच ह्योभुष्टं इष्टे
 ००१५. मे ०१३३ भंलग्न भमः ।
 ०६ भंलग्न शीवे सुच ह्योभुष्टं नि ०१५३
 ०३१० उक कलं । इष्टे ००
 ३० मे ०१३. उक भंलग्न भमः ।
 सुवदिः -
 ३. भंलग्न सुच ह्योभुष्टं इष्टे ०१३५
 मे ००१३. उक भंलग्न इष्टे ००
 ३० मे ०१३ उक भंलग्न भमः ।
 ३० भंलग्न शीवे सुच ह्योभुष्टं नि
 ३१३७ मे ००१५ उक कलं भमः ।
 ३० भंलग्न सुच ह्योभुष्टं नि ००१७ मे
 ०१३. उक भंलग्न इष्टे ००१५. मे
 ०१३७. उक भंलग्न भमः । ० सुच ह्योभुष्टं
 इष्टे ५१३७ मे ३१३. उक भंलग्न
 भमः सुच ह्योभुष्टं । ३ सुच ह्योभुष्टं
 नि ००१५ मे ०१३ उक भंलग्न भमः ।
 इष्टे ०१३० मे ०१३. उक भंलग्न भमः ।

विवरण भुक्तुङ्गलिः

सुधम्वरिः—

०९ मुनि वरे नवभूतं गि० १०-१०

मे ०९१३-उक भिं लं गि

००१३-मे ०९१५३ उक भंलं भः

०९ मुनि रीवे रमभूतं गि० १०-१५

मे ०९१९७ उक भिं लं ॥

सुधम्वरिः—

१० मुनि वरे लभूतं गि० १०

१-मे ००१३-उक भिं लं

११ मुनि रीवे नवभूतं गि

११३ मे ०-१९३ उक भंलं भः

गि ००-१३-मे ००१५ उक

भं लं भः।

रुद्रिः—

०३ भिं वरे लभूतं गि ००१०५ मे

०१३ उक वं लं भः। गि ०

३५ मे ३३-उक चं लं भः।

०७ भिं वरे रीवे पंभगी

गि ०११३ मे ००१३-उक

गि ००१३७ मे ०१३१ भिं लं

३० भिं वरे लभूतं गि ०१३-

मे ३१३-उक चं लं

३० भिं मत्रे लभूतं गि

०१३-मे ३१०१ उक चं लं

गि ००१३-मे ०१३१ भिं लं

भः। १३३ भिं वरे

रमभूतं गि ०१०० मे ३१०-उक

चं लं भः। गि ०१०० मे

०१५-उक वं लं भः।

गि ००१३ मे ०१०५ उक

भिं लं भः।

सुधम्वरिः—

०३ लभूतं वरे पंभगी गि

०१३ मे ००१३ उक भिं लं

भः। नवभूतं ॥

०७ लभूतं मत्रे लभूतं गि ००१३-मे

०१३-उक चं लं भः। गि ०१३-मे

३१०३ भं लं भः। १३-लभूतं

मे लभूतं गि ००१३-मे ०१५०

उक भं लं भः। १३-लभूतं

मे लभूतं गि ००१३-मे गि

०१३-उक चं लं भः। गि ०१३५

मे ३१५ उक भं लं भः।

कवदिः—

३० लभूतं रीवे इतीया

गि ००-१५-मे ०९१५-उक चं लं

गि ०९१५-मे ११३ उक भंलं भः

० नवं लभूतं गि ३१३-मे ०-

५-उक वं लं भः।

१ नवं मत्रे पंभगी गि ००-१५-मे

०९१५-उक चं लं भः।

१ नवं मत्रे लभूतं गि ०१३-मे

०३१०-उक चं लं भः। गि ००-१०७ मे

०३१३ उक चं लं भः।

